

॥ ॐ ॥
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः

यनी वीष्टया यूज ॥ त्रेंज र्यं चाम् न्दा विष्टया यूज ॥
त्रेंज मल्ल लक्ष्मी विष्टया यूज ॥ वलि ॥ यन्त्र शिख
ल गकि गीख कोल कुण माला खद मूडी
॥ विन्द ॥ ॥ गमा डग्र च न्दा यूज ॥ ॥ त्रेंज र्ति

रुसन या यूज ॥ त्रेंज मदिखा सन या यूज ॥ त्रेंज
रुसन या यूज ॥ त्रेंज निष्ठ रुसन या यूज ॥ त्रेंज
प्रया पूरति ॥ ॥ त्रेंज उँ डी ना ज प्रद यँ उ ग्रच
छलियु मदि ती दँ दँ स दान च २ ली मी दी स र

हैरुनमः ॥ ३ ॥ वति ॥ यानि ॥ वीन्द्र ॥ ॥
गतावाजी शक्ति यूजा ॥ ॐ ॥ यद्वासनया यूजा ॥
बुया ॥ ॐ ॥ नि कि र्पि कि ना कुटसु ॥
वाजी श्वत्री वृद्धमहना नि का विद्वया यूजा ॥ ३ ॥

नि ॥ वीन्द्र ॥ ॥ व्रमया ॥ ॥ ॐ ॥ अ
॥ ८ ॥ ॐ ॥ वृद्धादिय ॥ यद्वासनया यूजा
॥ ॐ ॥ भवासनया यूजा ॥ ॐ ॥ वृद्धासनया यूजा ॥
ॐ ॥ नायाया यूजा ॥ ॐ ॥ सिंहासनया यूजा ॥ वीन्द्र

अद्यानं औं हृदयाय नमः वायू ॥ नैं ॥ अथ ध्यातुं
निलसखाया ॥ नैं ॥ अथ ध्यातुं नैं निखाय
वट ॥ नैं ॥ सर्वत्र सर्वं कवचाय हूं ॥ नैं ॥ अं स
० औं नवग्रहो वट ॥ नैं ॥ नमस्तु नृप नृप ॥ अ

वायूरुट ॥ ॐ निनाम ॥ ॥ नैं ॥ नैं हृदयाय
वायू ॥ नैं ॥ अं निनाम ॥ नैं ॥ अं निनाम
वट ॥ नैं ॥ अं कवचाय हूं ॥ नैं ॥ अं नवग्रहो
वट ॥ नैं ॥ अं माय रुट ॥ कवचाय नमः ॥

स॥ ॥ अथ वीज टीचक नाम ॥ ॥ त्रैलोक्यं लेलागं
वायुज॥ ॐ क॥ वायुज॥ ॐ म॥ श्व॥ वायुज॥ ॐ म॥ श्व॥
वायुज॥ ॐ वा॥ द॥ आ॥ वायुज॥ ॥ असन॥ ॐ ध॥
नादि॥ ॐ ॥ त्रैलोक्यं वन्दुमन्त्र लाय वायुज॥ ॐ ज॥ वन्दु

मन्त्र ला विद्यन यत्र अत्र नासन वायुज॥ ॐ सू॥
यम॥ म॥ उ॥ लाय वायुज॥ ॐ ज॥ सू॥ यम॥ म॥ उ॥ ला विद्यन यः
विष्णु य नासन वायुज॥ ॐ ज॥ अ॥ नि॥ म॥ उ॥ लाय वायुः
ज॥ ॐ ज॥ अ॥ नि॥ म॥ उ॥ ला विद्यन अत्र द्रव्य नासन वा

ASHA ARCHIVES

1/35

Handwritten text in a box, likely a title or reference number, possibly in Devanagari script.

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

खगनेंछाल अद्यान अद्यानामूखी कि लि २ कि
यायू ॥ वलि ॥ वलुमिगी ॥ नवात्मा या दह नाम
नयति वा नयूजा ॥ वं ॥ द्वा द द या द दि द द (जि व
यूजा ॥ ३ ॥ ॥ यय पिजिखा या नि वि

॥ गतासिद्धि लक्ष्मि यूजा ॥ अमन ॥ अक्ष
नादि ॥ महात्रयसनया यूजा ॥ युनासनया यूजा ॥
प्रया अलि ॥ ॥ डं डी डूं हूं डूं डूं डूं नम या
यूजा ॥ ३ ॥ वलि ॥ रुच पि जिखामडा ॥ वी न्द ॥

धननि कृतयुजः॥ त्रियनयुजः॥ ज्ञान॥ अ
ध्यादि॥ ८॥ यश्च यमसुनयायुजः॥ गुणश्रुति
॥ ॥ नैऋतं क्रौञ्चं कूर्कं मूषकं वक्रजं शान
यी॥ १०॥ चर्या न च नाथः॥ कुक्कुटं मिथ्या प्रविष्टम्

चरीयः॥ लैवकात्मनः किं श्रियायुजः॥ ३॥ वलिः॥
नैऋतं क्रौञ्चं कूर्कं मूषकं वक्रजं शान
यी॥ १०॥ चर्या न च नाथः॥ कुक्कुटं मिथ्या प्रविष्टम्
वाया विद्या श्रुतिः॥ वलिः॥ विन्दुः॥ वलिः

मात्रह॥ जाय॥ ॥ त्रंज दौसाहा॥ ३ ॥ त्रंज श्रीं
साहा॥ ३ ॥ त्रंज साहा॥ ३ ॥ त्रंज रुले॥ ३ ॥ द्युं
साहा २०॥ त्रंज सने॥ ३ ॥ त्रंज हत सने॥ ३ ॥
साहा॥ त्रंज अ कयठ न पयम साहा ३ ॥ त्रंज द्युं सा

हा॥ ३ ॥ त्रंज सने साहा॥ ३ ॥ त्रंज द्युं मूं साहा १०
॥ त्रंज सने साहा ३ ॥ त्रंज द्युं मूं सा ल ल हा १० ॥
त्रंज शं साहा॥ ३ ॥ त्रंज ल ल त्रंज नम साहा ३
॥ ॥ भुक्तु॥ ॥ अखलु मन्द ला काल गि॥

आशा सरुवाथि

1.135

ASHA ARCHIVES